अंक 02 | जुलाई–सितम्बर 2020

Samagra Shiksha
GOVT OF RAJASTHAN
SCHOOL EDUCATION DEPARTMENT
RAJASTHAN COUNCIL OF SCHOOL EDUCATION

गार्गी

गार्गी मंच किशोर- किशोरियों की अपनी पत्रिका

हम किशोरियों के आपस में मेलजोल बढ़ाने, नयी नयी जानकारी को सीखने–समझने, हमारी अपनी चुनौतियों को जानने और उनका सामना करने का मंच है–गार्गी मंच यहाँ हम अपने मन की बातों को सहेलियों से साझा कर सकते हैं। सहेली की समस्या का सामूहिक समाधान भी खोज सकते हैं।

कक्षा 09 से कक्षा 12 तक की स्कूल जाने वाली सभी किशोरियां इसकी सदस्य है। आपकी वे सहेलियां, जो स्कूल नहीं जाती पर आपकी हमउम्र हैं, वे भी इसकी सदस्य बन सकती है इनकी कुल सदस्य संख्या 23 तक होनी चाहिए, जिनमे हर कक्षा का बराबर प्रतिनिधित्व हो।

अगर आपके स्कूल में लड़के भी पढ़ते हैं तो कक्षा 9 से 12 तक हर कक्षा से 3 किशोरियां और 2 किशोर इसके सदस्य होंगे। हम इन सदस्यों को शाला सखी और शाला सखा बुलाएँगे। किन्तु हाँ, मचं की अध्यक्ष हमेशा एक किशोरी ही होगी उपाध्यक्ष कोई भी हो सकता है।

चूँकि गार्गी मंच हम किशोरियों को विचार प्रकट करने और समस्याओं के

मेरे प्यारे बच्चों,
मेरे किशोर किशोरियों,
आपकी दीदी की ओर से स्नेह भरी शुभकामनाएं।
इस समय आप अपने अपने घरों में सुरक्षित होंगे किन्तु बाहर कम निकल पाने की परेशानी भी रही होगी और कुछ मौज मस्ती भी होगी। चलिए आपके साथ एक छोटी सी पत्रिका साझा करते हैं आपके लिए गार्गी के नाम से पहले अंक प्रकाशित कर रहे हैं इसमे थोड़ी मस्ती,थोड़ी काम की बातें होंगीं। गार्गी पत्रिका लगातार ऐसी ही बहुत सी जानकारियां आप तक लाएगी जैसे किशोरावस्था के बदलाव विषयों के चयन हेतु फैसले कैसे करें, अच्छे नागरिक कैसे बने,गुड टच बेड टच को पहचाने ये पत्रिका ऐसी ही जानकारियों के साथ आपके पास आती रहेगी। देखिए इसमें एक तरफा बात नहीं होगी थोड़ा हम कहें और थोड़ा तुम कहो ऐसा ताना बाना दोनों तरफा बना रहेगा। आप भी कहानी, चित्र, चुटकले, कोई घटना कुछ अच्छी बातें जो आप चाहती/ते हैं कि मेरे जैसे और साथी भी जान सकें आपको भेजनी है। क्या आप जानते हैं इस पत्रिका के ज़रिए आप राजस्थान भर के बच्चों की खबरें जान सकेंगे और आपको भी पहचानने लगेंगे लीजिये गार्गी पत्रिका आपके सामने है पढ़िये और आनंद लीजिये।

आपकी बड़ी दीदी
देवयानी

सामूहिक समाधान ढूँढने के अवसर प्रदान करता है। अतः स्कूल की सभी छात्राएं इसकी सदस्य रहेंगी।
हम रोज़ ही स्कूल में एक दूसरे से मिलेंगे पर मासिक बैठक के लिए महीने में एक बार (शनिवार हो तो बेहतर) ज़रूर मिलना है। इसके लिए आपको आपकी सुगमकर्ता मदद करेगी।

आपके ही स्कूल की अध्यापिका, यह आपको गार्गी मंच गठन करने, सदस्य चुनने, बैठक आयोजित करवाने, बैठक के विषय तय करने, गतिविधियों को चुनने में आपकी सहायता करेगी।

सुगमकर्ता के अलावा आपके स्कूल प्रिंसिपल भी आपकी मदद करेंगे। वे समय–समय पर बाहर के वक्ताओं को बुलाने, ज़रूरत की सामग्री उपलब्ध करने, अन्य व्यवस्थाएं करने में मदद करेंगे।

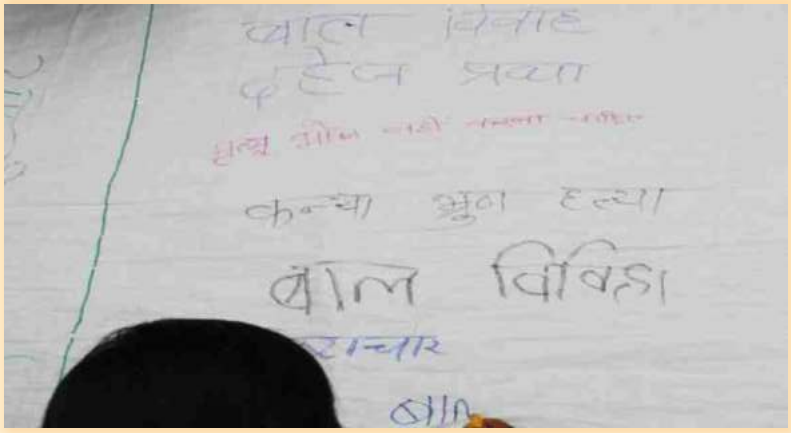

खूब पढ़ूंगी- खूब बढ़ूंगी जग में रोशन नाम करुँगी

गीत कविता याद करूँगी
जोड़ करूँगी गुणा करूँगी
लिखना पढना सब सीखूंगी
पर पहले अपना नाम लिखूंगी
खूब पढ़ूंगी–खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूँगी

चिड़ियों से मैं बतियाऊंगी
तितली के संग–संग दौड़ूँगी
फल और फूल को भी जानूंगी
सब के बारे में सीखूंगी
खूब पढ़ूंगी–खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूँगी

खूब खेलूंगी खूब कूदूंगी
नाचूंगी भी और गाऊँगी
खूब किताबें पढ़ा करूँगी
चित्रों में सुन्दर रंग भरूँगी
खूब पढ़ूंगी–खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूँगी

बदलते ज़माने के साथ चलूंगी
नयी तकनीकों का समझूँगी
कम्प्यूटर पर काम करूँगी
दुनिया भर की सैर करूँगी
खूब पढ़ूंगी–खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूँगी

माँ–बाबा को समझाउंगी
पढ़ाई बीच में नहीं छोड़ूंगी
जल्दी शादी नहीं करूँगी
सबको पढने को बोलूंगी
खूब पढ़ूंगी–खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूँगी

अपनी ताकत को जानूंगी
अधिकारों की बात करूँगी
अपनी किस्मत खूब लिखूंगी
सबके मन पर राज करूंगी
खूब पढ़ूंगी–खूब बढ़ूंगी
जग में रोशन नाम करूँगी

- *डॉ. कैलाश बृजवासी*
जतन संस्थान, उदयपुर

हम से जुड़ी योजनाएं व अवसर

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश में 10 से 19 वर्ष की आयु के किशोरों की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाना तथा उनके शारीरिक विकास से संबंधित जरूरतों को पूरा करना है। जिनमें किशोरों की स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करना, पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करना, उनका बौद्धिक विकास, घरेलू एवं लिंग आधारित हिंसा से रोकथाम, रोकथाम शामिल हैं।

कार्यक्रम के अंतर्गत 1000 की जनसंख्या वाले प्रत्येक गाँव से 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग के दो लड़के व दो लड़कियां का चयन पीयर एजुकेटर के रूप में किया है। तथा उन्हें चिकित्सकों द्वारा किशोर स्वास्थ्य से संबंधी मुद्दों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। ये पीयर एजुकेटर गांव में किशोरों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं एवं जरूरतों के प्रति जागरूक करते है।

इसके अलावा इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक तिमाही पर हर गांव में किशोर स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया जाता है। इस दिन किशोरियों को उनकी स्वास्थ्य संबंधी जरूरत के अनुसार सेनेटरी नैपकिन, आयरन फॉलिक एसिड की गोलियां, एल्बेंडाजोल की गोलियांए पेट दर्द की दवाईयां तथा वितरित की जायेगी।
प्रदेश में किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सभी जिलों के

सामान्य अस्पतालों पर किशोर मित्रता क्लिनिक खोले गये है, जहां युवा लड़के एवं लड़कियों को अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के साथ उचित चिकित्सीय परामर्श एवं इलाज की सुविधा दी जाती है।

इसी प्रकार, मासिक स्वच्छता योजाना के अंतर्गत आशा कर्मियों के माध्यम से 10 से 19 वर्ष की आयु की ग्रामीण किशोरियों को सैनेटरी नैपकिन के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। जिसके लिए आशा कर्मी प्रत्येक माह आंगनबाड़ी केन्द्रों या पंचायत भवनों में किशोरी लड़कियों के साथ बैठक कर सेनेटरी नैपकिन की उपयोगिता के बारे में बताती है।

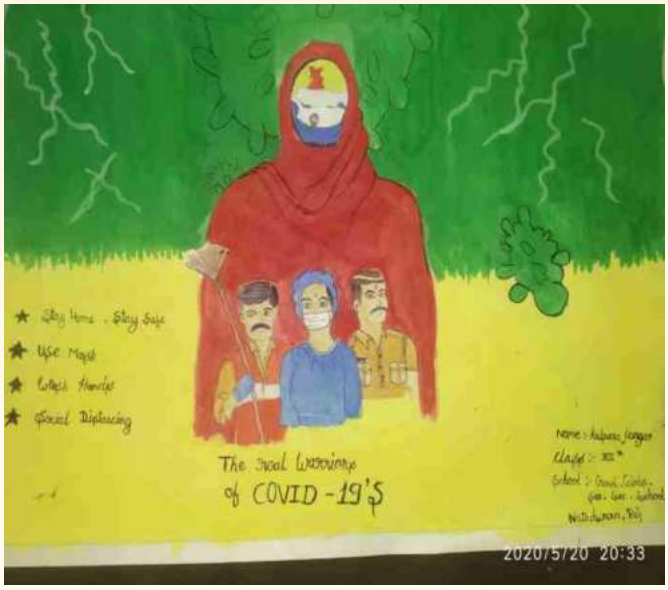

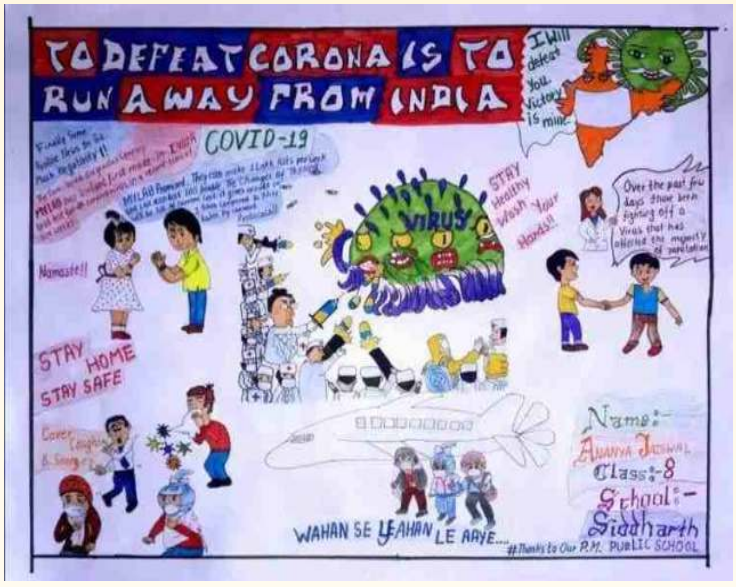

गुड टच और बैड टच में फर्क समझें

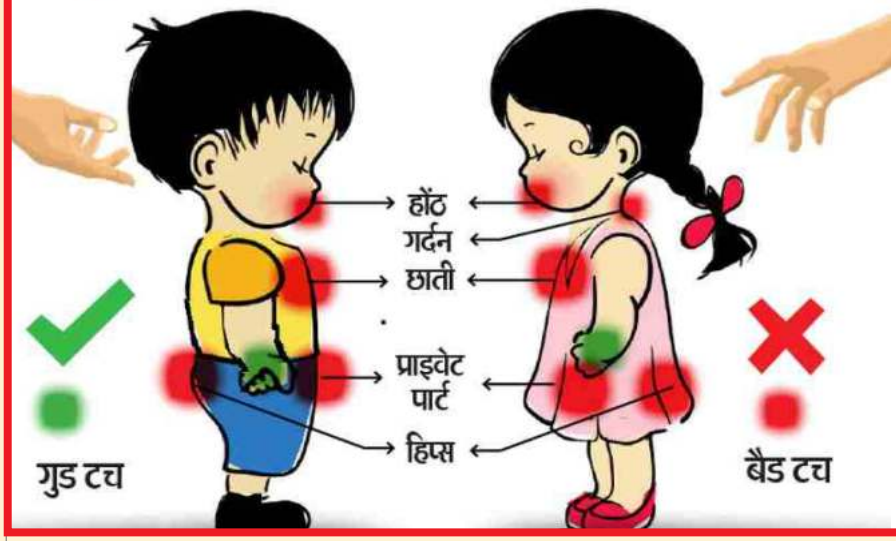

अगर आपको लगता है कि आपको गलत छुआ गया है या गलत ईशारा किया गया है या गलत बोला गया है तो बिना झिझके उसका विरोध करें. चिल्लाएं और उसकी शिकायत तत्काल प्रिंसिपल से करें या चाइल्डलाइन को 1098 नंबर को फोन करें.

कोरोना से डरें नहीं, बचाव के उपाय अपनायें

मेरी कूंची

आपके द्वारा भेजे चित्रों को यहाँ स्थान मिलेगा.

तो अच्छे अच्छे चित्र बनाइये और उन्हें इस पते पर भेजिए-

rajssa_gender@yahoo.co.in, girlseducationsmsa@gmail.com

अगर आप कोई कविता या कहानी या लेख भेजना चाहें तो उसका भी स्वागत है.

कहो, कैसी रही ?

इंग्लिश टीचर: "एक लड़की नीचे खड़ी है, इसे अंग्रेजी में क्या बोलेंगे ?"

सुनीता- " मिस-अंडर-स्टेंडिंग"

टीचर ने सिर पीट लिया और राजेश को पूछा : "अगर गुलाब को चाँद पर भेजेंगे तो इसे अंग्रेजी में क्या बोलेंगे ?"

राजेश: "गुलाब-जा-मून"

-----x----

खिड़की से देखा तो सड़क पर कोई नहीं था.

खिड़की से देखा तो सड़क पर कोई नहीं था.

फिर सड़क पर जाकर देखा तो,

खिड़की पर कोई नहीं था ...